Seventeenth Loksabha

>

Title: Polluted drinking water in National Capital Territory of Delhi.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली): सभापति महोदय, आज दिल्ली की जो हालत है, वह तमाम अखबार, टीवी चैनल्स, सभी पिछले एक महीने से चला रहे हैं । इतना … * व्यक्ति, हमारा मुख्य मंत्री बन गया है, जिसके पास पड़ोस के राज्यों के मुख्य मंत्रियों से बात करने का समय नहीं है । वायु प्रदुषण की बात हो रही है, लेकिन उससे बड़ी जो समस्या है, जिसके लिए आज हमारी बहनों ने धरना-प्रदर्शन किया है, वह पानी की समस्या है । दिल्ली को 11 हजार मिलियन गैलन पानी रोज चाहिए । लेकिन दिल्ली जो पानी बनाती है, वह केवल नौ हजार गैलन है । पानी बनाने का मतलब यह है कि एसटीपी प्लांट्स की जो क्षमता है, उससे कहीं ज्यादा पानी की हमें जरूरत है और उससे ज्यादा पानी उसमें जा रहा है । हम डाउन स्ट्रीम की तरफ हैं, तो अप-स्ट्रीम की जितनी गन्दगी है, वह भी आती है, लेकिन उससे ज्यादा गन्दगी दिल्ली से बाहर भेजते हैं ।

सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जो एक्वीफर्स पानी को रीचार्ज करते हैं, उनके अंदर क्रोमियम, कैडमियम और तमाम हेवी मेटल्स के कारण जो प्रदूषण आया है, इलेक्ट्रो-प्लेटिंग की इंडस्ट्रीज गैर-कानूनी तौर पर चल रही हैं, जिनको रोकने का कोई उपाय नहीं किया गया है । पानी के जितने भी पाइप्स हैं, वे चरमरा रहे हैं । पानी की व्यवस्था के ऊपर जो खर्च करना चाहिए था, वह खर्च फ्री सब्सिडी देने में किया जा रहा है । इससे व्यवस्था चरमरा रही है । जहाँ खर्चा करने की जरूरत है, वहाँ खर्चा किया जाए । दिल्ली में पानी की समस्या, जो आज पूरे देश की समस्या बनी हुई है, उसके लिए काम किया जाए । कर्ज पर कर्ज चढ़ाए जा रहे हैं, यह बहुत ही दुख की बात है ।

हमारा शरीर 70 प्रतिशत पानी से बना हुआ है और देश भर में सबसे ज्यादा प्रदूषित पानी दिल्ली को मिल रहा है ।

माननीय सभापतिः कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उठाये गये विषय से संबंध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्री मनोज तिवारी (उत्तर पूर्व दिल्ली) : माननीय सभापति महोदय, धन्यवाद ।

अभी-अभी जो बात हमारी साथी मीनाक्षी लेखी जी ने कही, मैं उसी बात पर आज एक बहुत ही अति-आवश्यक मुद्दा सबके सामने लाना चाहता हूं । यह मुद्दा यहां बैठे हुए हर व्यक्ति के लिए, जो 13 दिसंबर तक दिल्ली में रहकर यहां के पानी का सेवन करेगा, सबके लिए हैल्थ इमरजेन्सी जैसा है । सर, दिल्ली में हैल्थ इमरजेन्सी है । तीन माह पहले 300 सैंपल लेकर दिल्ली में टैस्ट हुआ । इसके लिए मैं राम विलास पासवान जी के उपभोक्ता मामले विभाग को धन्यवाद करना चाहता हूं । दिल्ली में लिए गए सारे 300 सैंपल्स किसी न किसी पैरामीटर पर फेल हो गए । यहां के मुख्य मंत्री चिल्लाने लगे – केवल दिल्ली का ही क्यों टैस्ट करते हो, पूरे देश का क्यों नहीं टैस्ट करते? राम विलास पासवान जी को धन्यवाद, उन्होंने 20 राज्यों में यह टैस्ट कराया और 20 राज्यों में आज सबसे खतरनाक पानी दिल्ली का आया है । दिल्ली की गलियों में हाहाकार है, पानी के लिए गली-गली चीत्कार है । किसी गली में यहां का कोई भी विधायक नहीं जा सकता है ।

मैं आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं कि बीआईएस के इस टैस्ट के बाद, जो फेल हुआ है, कोई न कोई ऐसी व्यवस्था की जाए कि ऐसे लोगों को, जो लोग इतना खतरनाक, जहरीला पानी दे रहे हैं, इस पर कुछ कार्रवाई होनी चाहिए कि कैसे मुंबई का पानी बैस्ट हो जाता है, जहां पांच साल से जो सरकार काम कर रही है और कैसे दिल्ली का पानी जहरीला हो जाता है, इस पर जरूर संदर्भ लिया जाए । मैं आपको इसके लिए धन्यवाद करता हूं ।

माननीय सभापति : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री मनोज तिवारी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

माननीय मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं ।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री रामविलास पासवान) : सर, पानी का यह जो मामला है, कन्ज़्यूमर मिनिस्टर की हैसियत से हम पिछले चार सालों से इसके पीछे लगे हुए हैं । हम लोग वर्ष 1977 से दिल्ली में रहते हैं । हम पहली बार जीतकर आए थे । वर्ष 1985, 1990 के बाद पानी की बोतलें चलीं, पहले तो लोग यहीं का पानी पीते थे । आज की स्थिति यह है कि कोई आदमी नल का पानी नहीं पी सकता है, नीला-पीला पानी निकलता रहता है । इस कारण जहां कहीं अच्छे खाते-पीते लोग हैं, उन्होंने अपने यहां आरओ लगा लिया है या कुछ और कर लिया है, कुछ लोग बोतल का पानी पीते हैं । लेकिन 2/4 या 3/4 जो गरीब लोग हैं, जो झुग्गी-झोपड़ी में रहते हैं, उनके पास कोई साधन नहीं है । 90-95 परसेंट बच्चों का शरीर कोमल होता है, यह गंदा पानी पीने के कारण किसी न किसी बीमारी से उनका शरीर ग्रसित हो जाता है ।

हम लोग राजनीति में हैं । हम गरीब घर से आए हैं । हम बहुत चिंतित रहते थे । बीआईएस – ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड हमारे अंडर है । वह देश में पानी और बाकी सब चीज़ों के लिए स्टैंडर्ड बनाता है । हमने उनसे कहा कि लोगों ने हमारे पास कुछ सैंपल भेजे हैं, कि आप मंत्री हैं, इसको भी आप देखिए । इसके लिए मैंने इन लोगों को बुलाया था । मैंने आम आदमी पार्टी की सरकार के लोगों से भी कहा था । हमने जब वहां से सैंपल लिया और उसका प्राइमरी टैस्ट किया तो उसमें सब के सब सैंपल्स फेल हो गए । हमने कहा कि देखो, इस काम को गंभीरता से करो । उन्होंने हमसे कहा कि 10 बोतल से नहीं होगा, एक जगह से 100 बोतल सैंपल लेना पड़ेगा । हमने कहा ठीक है । उन्होंने 11 जगहों से, विभिन्न एरियाज़ से सैंपल लिया । यह सैंपल लेने के बाद मैंने दिल्ली जल बोर्ड से लोगों को बुलाया, जल बोर्ड से ही पानी सप्लाई होता है ।

जैसा कि अभी मनोज तिवारी जी ने कहा कि जल बोर्ड पानी सप्लाई करता है, जिसका अलग-अलग इलाके में डिस्ट्रिब्यूशन होता है । उस समय भी उन लोगों ने बयान दिया कि – नहीं, हमारा पानी तो 100 परसेंट ठीक है, यूरोपियन कंट्रीज़ से भी ज्यादा अच्छा है । हमने कहा कि हम इसमें कोई राजनीति करना नहीं चाहते हैं । हम तो सबसे ज्यादा खुश व्यक्ति होंगे, जिस दिन यह मालूम हो जाए कि दिल्ली का पानी पीने लायक हो गया है । दिल्ली में कहीं भी, किसी के

दरवाजे पर जब कोई गैस्ट आता है तो यदि वह ग्लास में पानी देखेगा तो वह उससे संतुष्ट नहीं होता है, जब तक वह सामने पानी की बोतल न देख ले । कोई बिना बोतल का पानी नहीं पीता है । उसके बाद हमने कहा कि एक काम करो, यह दिल्ली की सरकार का ही मामला नहीं है, प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि वर्ष 2024 तक हम पूरे देश में नल के द्वारा स्वच्छ पानी की व्यवस्था करेंगे । इसलिए सब जगह स्वच्छ पानी मिलना चाहिए । हमने कहा कि आप एक काम करो – जितने भी स्टेट हैडक्वॉर्टर्स हैं, फर्स्ट फेज़ में उनकी जांच करो, सैकेंड फेज़ में जो 100 स्मार्ट सिटीज़ हैं, उनकी जांच करो और थर्ड फेज़ में आप डिस्ट्रिक्ट लेवल पर जांच करो, उसके बाद नीचे जाओ । इसके लिए एक महीने का समय था । हमने 3 अक्टूबर को बैठक बुलाई थी । जिसमें बोर्ड के लोग भी थे, एनडीएमसी के लोग भी थे और सारे के सारे लोग थे । सभी को हमने बतलाया था कि देखिए कैसा पानी निकल रहा है । उसके बाद रिपोर्ट आई । रिपोर्ट आने के दो दिनों के बाद हमने देखा भी नहीं कि रिपोर्ट में क्या है, कैसा है, क्योंकि हम कोई टेक्निकल आदमी तो हैं नहीं । लेकिन पूरा का पूरा प्रेजेंटेशन सारी मीडिया के सामने उन्होंने रखा । उसमें स्टेट्स के पानी में सबसे ऊपर महाराष्ट्र का पानी और सबसे खराब पानी दिल्ली का है । उसके बाद हमारे जैसे लोगों पर आरोप लगाते हैं । मैं यह चैलेंज के साथ कहना चाहता हूं कि मैं भारत सरकार में लगातार मंत्री रहा हूं । कोई मुख्य मंत्री, कोई एम.पी., कोई विधायक नहीं कह सकता कि हमने जीवन में कभी इन मामलों के लिए राजनीति की हो । जहां तक गरीब का सवाल आता है, हम उसमें कोई समझौता नहीं करना चाहते । इन्होंने कहा कि पक्षपात किया गया है और कहते हैं कि कमेटी बना दें । मैंने उस दिन भी कहा था और आज भी मैं कहना चाहता हूं कि चाहे दिल्ली की सरकार हो या कोई भी सरकार हो, यदि किसी को भी लगता है कि उनका पानी बहुत अच्छा है, तो सबसे पहली बात यह है कि यदि आपका पानी बहुत अच्छा है तो यह मैंडेटरी करो कि किसी भी आदमी को खराब पानी मिलेगा तो वह कोर्ट में चला जाएगा । नहीं तो, मैं आज घोषणा करना चाहता हूं कि मैं अपने यहां के वरिष्ठ अधिकारी, जो ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड के डी.जी. हैं, उनको नियुक्त करता हूं ।

आप भी अपने तीन अफसर दे दीजिए और जिस भी एरिया में आपको जाना हो, आप ज्वाइंटली कहीं भी जाइए । विभिन्न एरिया से आप पानी ले लीजिए और उसकी जांच आप जिस भी लैबोरेट्री में कराना चाहते हैं, उसमें करायें । हम उसका स्वागत करते हैं । मैं आज अनाउंस करता हूं और श्री केजरीवाल जी से कहना चाहता हूं कि आप शाम तक नाम दीजिए, कल तक दीजिए, परसों तक दीजिए । इनके राज्य सभा के सदस्य बोलते रहते हैं । आप एम.एल.ए. से पूछिए । अगर हिम्मत है तो दिल्ली का कोई भी एम.एल.ए. पब्लिकली कहे कि हमारे एरिया में स्वच्छ पानी मिलता है और वह पीने लायक पानी है । कोई नहीं कह सकता है, इसलिए हम इसमें कोई राजनीति नहीं करना चाहते । किसी वाद-विवाद में नहीं जाना चाहते । हम स्वागत करते हैं । हमारा मेन मकसद है कि लोगों को पीने का स्वच्छ पानी मिले और जो गरीब लोग हैं, जो आर.ओ. नहीं लगा सकते, बेचारे पानी गरम करके पीते हैं, तब भी सही पानी नहीं मिल पाता है । इससे ज्यादा चिंता का विषय और क्या हो सकता है? लोग इसमें राजनीति करते हैं । सारे के सारे मीडिया वाले, चैनल वाले सब जगह जाकर दिखला रहे हैं । अत: आपके माध्यम से मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आप सब हमारा साथ दीजिए । इसमें कोई पार्टी पॉलिटिक्स नहीं होनी चाहिए । देश में स्वच्छ पीने का पानी मिले, क्योंकि 90 प्रतिशत बीमारी उसी से पैदा होती हैं । मैं दिल्ली सरकार से भी कहना चाहता हूं कि आप नाम दीजिए । कल तक दीजिए, आज तक दीजिए । मैं अभी जाकर नाम भेज दूंगा । जिस भी लैबोरेट्री से जांच करानी हो, आप कराएं । हम इसके लिए तैयार हैं और इसकी रिपोर्ट को भी हम पब्लिक करेंगे । मैं आपसे यही आग्रह करना चाहता हूं ।

माननीय सभापति : धन्यवाद माननीय मंत्री जी ।

माननीय सभापति : अब श्री राम शिरोमणि जी ।